

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ  
पीठासीन अधिकारी का नाम : पंकज गढ़वाल (आर0ए0एस0)  
प्रकरण संख्या - 683/2024

अनवान : -

1. अमरसिंह पुत्र निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।

- वादी

बनाम्

1. माड़ी देवी पत्नी निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
2. रामेती पुत्री निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
3. गुडी पुत्री निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
4. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर तहसील नोहर।

- प्रतिवादीगण

5. रामदयाल पुत्र निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
6. ताराचन्द्र पुत्र निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
7. बनवारीलाल पुत्र निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।

- तरतीबी प्रतिवादीगण

दावा बाबत अन्तर्गत धारा 88-89 ,राजस्थान काश्त0  
अधि0 1955

उपस्थिति :- श्री रविन्द्र गोदारा अधिवक्ता वादी  
पेरोकार राज

निर्णय

दिनांक: 28/8/2024

संक्षेप में तथ्य इस प्रकार से है कि वादी ने जरिये अधिवक्ता यह वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955 के तहत इस आशय का पेश किया है कि वादी एवं प्रतिवादीगण की दादालाई खातेदारी कृषि भूमि रोही मौजा मेघाना तहसील नोहर के खाता स0 144/149 की कुल 3.5920 हैक्ट भूमि नारायण पुत्र मानाराम के दर्ज राजस्व रिकार्ड है।

वाद भूमि वादी एवं प्रतिवादीगण की दादालाई खातेदारी भूमि है। वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में नारायण पुत्र मानाराम के नाम दर्ज है। नारायण पुत्र मानाराम का देहान्त हो चुका है। नारायण पुत्र मानाराम के जायज वारिस पत्रावली में दर्शाये गये सजरा खानदान के अनुसार वादी व प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 व तरतीबी प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 है जो की वाद भूमि को अपने हक हिस्सा अनुसार दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 उक्त वाद भूमि में कोई हक हिस्सा नहीं लेना चाहती है प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 ने अपना समस्त हक हिस्सा वादी व प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है। बाद हक त्याग वाद भूमि पर वादी व तरतीबी प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 काबिज है। वादी जिसकी न्यायालय से घोषणा करवा पाने का अधिकारी है। यही विनाय दावा है।

वादी ने प्रतिवादीगण को कई दफा कहा कि वादी के हक व हिस्सा की भूमि को उनके नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा देवे तो कुछ दिन तक आजकल आजकल करते रहे किन्तु अन्त में इन्कार हो गये इसलिए यह वाद पेश किया गया है।



अपखण्ड अधिकारी  
नोहर

अतः वादी का वाद डिक्री किया जाकर घोषणा की जावे की वादी के हक हिस्सा की भूमि है जिसे अपने बाहमी बंटवारे के अनुसार राजस्व रिकार्ड में दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।

वाद पेश होने पर दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। सम्मन तामील होने के बाद प्रतिवादी सं० 1 ता 3 ने जरिये अधिवक्ता वादी के वाद को स्वीकार करते हुए इकबाल जवाब पेश किया की वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 को कोई ऐतराज नहीं है। प्रतिवादी संख्या 5 ता 7 को अधिवक्ता वादी ने तर्क अंकित किया की उनका जो भी हक हिस्सा है उन्हें दिया जा रहा है। प्रतिवादी संख्या 4 परोकार राज ने जवाब पेश किया जो की शामिल मिसल किया गया। वादी ने वाद के समर्थन में बतौर दस्तावेजी साक्ष्य नवीनतम जमाबंदी, मृत्यु प्रमाण नारायण पुत्र मानाराम, वारिस प्रमाण पत्र आदि दस्तावेज पेश किये जो की शामिल मिसल किये गये।

प्रकरण में प्रतिवादीगण का इकबाल प्रस्तुत होने के कारण तनकी की आवश्यकता नहीं रही साक्ष्य में वादी के द्वारा शपथ पत्र पेश किया गया जिस पर प्रतिवादीगण के द्वारा जिरह नहीं करने के कारण जिरह शुन्य रही तत्पश्चात उभयपक्षों की बहस सुनी गई।

बहस वकील उभयपक्षकारान सुनी गई। दौराने बहस वकील वादी ने कथन किया कि वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में नारायण पुत्र मानाराम के नाम दर्ज है। नारायण पुत्र मानाराम का देहान्त हो चुका है। नारायण पुत्र मानाराम के जायज वारिस पत्रावली में दर्शाये गये सजरा खानदान के अनुसार वादी व प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 व तरतीबी प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 है जो की वाद भूमि को अपने हक हिस्सा अनुसार दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 उक्त वाद भूमि में कोई हक हिस्सा नहीं लेना चाहती है प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 ने अपना समस्त हक हिस्सा वादी व प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 के पक्ष में त्याग कर शुन्य कर लिया है। बाद हक त्याग वाद भूमि पर वादी व तरतीबी प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 काबिज है। प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 का जो भी हक हिस्सा उन्हें दिया जा रहा है। प्रतिवादीगण द्वारा वादी के वाद को स्वीकार किया जाकर इकबाल पेश किया जा चुका है अर्थात वादी के वाद के संबंध में कोई ऐतराज नहीं है। अतः वादी का वाद डिक्री फरमाया जावे।


परोकार राज ने निवेदन किया की वादी ने दादालाई/पैतृक सम्पति का वाद पेश किया है वादी के साक्ष्य सबूतों के आधार पर राज्यहकों को सुरक्षित रखते हुए वाद का निस्तारण फरमावे।

हमारे द्वारा अभिभाषकगण की बहस पर मनन किया गया। पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। वाद में प्रस्तुत रिकार्ड के अनुसार रोही मौजा मेघाना तहसील नोहर के खाता सं० 144/149 की कुल 3.5920 हैक्ट भूमि नारायण पुत्र मानाराम के दर्ज राजस्व रिकार्ड है, वादी का कथन है कि वाद भूमि वर्तमान राजस्व रिकार्ड में नारायण पुत्र मानाराम के नाम दर्ज है। नारायण पुत्र मानाराम का देहान्त हो चुका है। नारायण पुत्र मानाराम के जायज वारिस पत्रावली में दर्शाये गये सजरा खानदान के अनुसार वादी व प्रतिवादीगण संख्या

1 ता 3 व तरतीबी प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 है जो की वाद भूमि को अपने हक हिस्सा अनुसार दर्ज करवा पाने के अधिकारी है। प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 उक्त वाद भूमि में कोई हक हिस्सा नहीं लेना चाहती है प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 ने अपना समस्त हक हिस्सा वादी व प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 के पक्ष में त्याग कर शून्य कर लिया है। बाद हक त्याग वाद भूमि पर वादी व तरतीबी प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 काबिज है। प्रतिवादीगण संख्या 5 ता 7 का जो भी हक हिस्सा उन्हें दिया जा रहा है, वादी के उक्त कथनों को प्रतिवादीगण द्वारा स्वीकार किया जाकर वादी के वाद को स्वीकार करते हुए इकबाल पेश किया गया है कि वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तो प्रतिवादीगण संख्या 1 ता 3 को कोई ऐतराज नहीं है। वादी द्वारा प्रस्तुत वारिस प्रमाण एवं सजरा खानदान के अलावा मृतक नारायण उर्फ निराणाराम के अन्य कोई भी वारिस नहीं होना स्वीकार किया गया है। अतः वाद वादी साक्ष्य सबूतों एवं प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण मुताबिक अनुतोष स्वीकार योग्य है।

अतः वाद वादी साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादी मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा मेघाना तहसील नोहर के खाता स0 144/149 की कुल 3.5920 हैक्ट भूमि नारायण पुत्र मानाराम के दर्ज राजस्व रिकार्ड है, मे मृतक नारायण पुत्र मानाराम का नाम कलमजन किया जाकर वादी व तरतीबी प्रतिवादी संख्या 5 ता 7 को बहिब के खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500/- रु का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावें। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरुस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे। इसी आशय की पर्चा डिक्री जारी की जाकर शामिल मिसल की गई। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर तरतीब तकमील जाब्ता दाखिल दफ्तर हों।

निर्णय आज दिनांक 28/8/2024 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

  
(पंकज गढ़वाल R.A.S.)  
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)  
एवं सहायक कलक्टर  
नोहर

पर्चा डिक्री

न्यायालय सहायक कलक्टर एवं उपखण्डाधिकारी, नोहर जिला हनुमानगढ  
पीठासीन अधिकारी का नाम : पंकज गढ़वाल (आर0ए0एस0)  
प्रकरण संख्या - 683/2024

अनवान : -

1. अमरसिंह पुत्र निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।

- वादी

बनाम्

1. माड़ी देवी पत्नी निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
2. रामेती पुत्री निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
3. गुडी पुत्री निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
4. राजस्थान राज्य जरिये तहसीलदार राजस्व नोहर तहसील नोहर।

- प्रतिवादीगण

5. रामदयाल पुत्र निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
6. ताराचन्द पुत्र निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।
7. बनवारीलाल पुत्र निराणाराम जाति खाती निवासी मेघाना तहसील नोहर।


- तरतीबी प्रतिवादीगण

वाद अन्तर्गत धारा 88 राजस्थान काश्तकारी अधिनियम 1955

राजस्व वाद संख्या 683 सन 2024 निर्णय दिनांक 28/8/2024

आज यह वाद मुझ पंकज गढ़वाल उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर नोहर के समक्ष वकील वादी श्री रविन्द्र कुमार गोदारा एवं राज पेरोकार की उपस्थिति में निर्णयार्थ/अंतिम निपटारे हेतु प्रस्तुत होने पर वाद वादी साक्ष्य सबूतों तथा प्रतिवादीगण की सहमति के आधार पर साबित होने के कारण वाद वादीगण मुताबिक अनुतोष डिक्री किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि रोही मौजा मेघाना तहसील नोहर के खाता स0 144/149 की कुल 3.5920 हैक्ट भूमि नारायण पुत्र मानाराम के दर्ज राजस्व रिकार्ड है, मे मृतक नारायण पुत्र मानाराम का नाम कलमजन किया जाकर वादी व तरतीबी प्रतिवादी संख्या 5 ता 7 को बहिब के खातेदार काश्तकार घोषित किया जाता है। इसी अनुसार राजस्व रिकार्ड में अंकन करते हुए इजराय प्रार्थना पत्र के संलग्न 500/- रु का स्टाम्प तकमीलन शामिल किया जावे। यदि कृषि भूमि बैंक रहन है तो रहन मुक्त होने के बाद तथा किसी सक्षम न्यायालय आदि का स्थगन आदेश न हो तो उपरोक्तानुसार राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद कर रिकार्ड दुरुस्त करे। खर्चा उभयपक्षकारान अपना अपना वहन करे।

यह पर्चा डिक्री आज दिनांक 28/8/24 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से जारी की गई।

  
(पंकज गढ़वाल R.A.S)  
उपखण्ड अधिकारी (राजस्व)  
एवं सहायक कलक्टर  
नोहर